मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–131

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 3×15=45

(क) सम्पदा सुस्थिरम्मन्यो भवति स्वल्पयाऽपि यः।

कृतकृत्यो विधिर्मन्ये न वर्धयति तस्य ताम्॥

अथवा

विधाय वैरं सामर्षे नरोऽरौ य उदासते।

प्रक्षिप्योदर्चिषं कक्षे शेरते तेऽभिमारुतम्॥

(ख) अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभिः।

मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः।

अथवा

आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः।

आगमैः सदृशारम्भः आरम्भसदृशोदयः॥

(ग) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति॥

अथवा

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः

न स्नानं न विलेपनं न कुसुम नालङ्कृता मूर्धजाः।

वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते

क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषण भूषणम्॥

भाग—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखिए। $2\times15=30$

2. शिशुपाल का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

धर्मराज युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. कालिदास का जीवन और उनके शैलीगत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर राजा रघु का चरित्र-चित्रण कीजिए।

भाग—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

$5\times5=25$

4. 'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर दिलीप की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. 'शृंगारशतक' का परिचय लिखिए।

6. भर्तृहरि का जीवनवृत्त लिखिए।

7. 'रघुवंश' महाकाव्य की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

8. 'मेघे माघे गतं वयः' की व्याख्या कीजिए।

9. 'नीतिशतक' की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

10. 'शिशुपालवध' महाकाव्य के आधार पर नारद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

× × × × ×